No. of Printed Pages : 8

MES–012

MASTER OF ARTS

(EDUCATION)

[M. A. (EDU)]

Term-End Examination

June, 2026

MES-012 : EDUCATION : NATURE AND PURPOSES

Time : 3 Hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i) All questions are compulsory.*

(ii) All questions carry equal weightage.

1. Answer the following question in about **600** words :

   Explain the nature of knowledge. Discuss Hirst's categorization of the different forms of knowledge and their basic structure.

Or

Explain the meaning and significance of aims in education. Describe the criteria for formulating sound educational aims.

2. Answer the following question in about **600** words :

Discuss the principles of curriculum planning. What factors will you take into account for developing a curriculum plan ?

Or

Describe the philosophy and aims of education according to the Upanishads.

3. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

(a) Describe aims of education according to the salient features of the National Curriculum Framework 2005.

(b) Explain the aims of education according to Jainism.

(c) Discuss the "Pramana" theory of knowledge.

(d) Explain the concept of education according to John Dewey.

(e) Differentiate between formal, informal and non-formal education.

(f) Discuss the learner-centered approach to curriculum development. Support your answer with suitable examples.

4. Answer the following question in about **600** words :

   Critically analyse the aims of education propounded by empiricists, realists and naturalists.

MES–012

शिक्षा में परास्नातक

[एम.ए.(ई.डी.यू.)]

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.ई.एस.-012 : शिक्षा : प्रकृति एवं प्रयोजन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

ज्ञान की प्रकृति की व्याख्या कीजिए। हर्स्ट (Hirst's) के ज्ञान के विभिन्न रूपों के श्रेणीकरण/प्रवर्गीकरण और उनकी आधारभूत संरचना की परिचर्चा कीजिए।

अथवा

शिक्षा में उद्देश्यों के अर्थ एवं महत्व की व्याख्या कीजिए। युक्तियुक्त/सही शैक्षिक उद्देश्यों के प्रतिपादन के लिए मानदण्डों का वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

पाठ्यचर्या नियोजन के सिद्धांतों की परिचर्चा कीजिए। एक पाठ्यचर्या–योजना विकसित करने के लिए आप किन कारकों को ध्यान में रखेंगे ?

अथवा

उपनिषदों के अनुसार शिक्षा के दर्शन और उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में) दीजिए :

(क) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढाँचा 2005 की मुख्य विशेषताओं के अनुसार शिक्षा के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

(ख) जैन धर्म के अनुसार शिक्षा के उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए।

(ग) ज्ञान के "प्रमाण" सिद्धांत की परिचर्चा कीजिए।

(घ) जॉन डीवी के अनुसार शिक्षा की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

(ङ) औपचारिक, अनौपचारिक और औपचारिकेतर शिक्षा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(च) पाठ्यचर्या विकास के शिक्षार्थी केन्द्रित उपागम की परिचर्चा कीजिए। अपने उत्तर को उपयुक्त उदाहरणों द्वारा पुष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

अनुभववादियों, यथार्थवादियों और प्रकृतिवादियों द्वारा प्रतिपादित शिक्षा के उद्देश्यों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

× × × × ×